

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र
आवश्यक सूचना

दिनांक 22.09.15

सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय के महिला-प्रकोष्ठ एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ तथा राजनीति शास्त्र परिषद् द्वारा निम्नलिखित विषयों पर सामृहिक चर्चा एवं वाद-विवाद 30.09.15 आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक छात्राएं अपने-अपने नाम अधोहस्ताक्षरी प्राच्यापिकाओं के पास शीघ्र दे दें। सामृहिक चर्चा और वाद-विवाद के नियमों की जानकारी प्राच्यापिकाओं को नाम देते समय अवश्य लें लें।

- विषय:
1. कामकाजी महिलाओं की यास्तविक स्थिति।
 2. बेटा-बेटी का सामाजिक स्तर क्षेत्रना एक समान।
 3. अधिकार एवं कर्तव्य।

प्राचार्या

Rescheduled for 01.10.2015

डॉ. सुमन राजन
(संयोजिका) महिला प्रकोष्ठ
श्रीमती पायल आनन्द
श्रीमती नरेश जोशी १२८५
श्रीमती रीना सेठी
श्रीमती बीनु मदान
सुशी आरती

दमांद महिला महाविधालय, त्रिलोक

सुनना

दिनांक : 28-9-15

महाविद्यालय की सभी छात्राओं को सुचित किया जाता है कि दिनांक 1-10-2015 को अवधि 11:00 बजे महिला प्रकोष्ठ, राजनीतिशास्त्र भारिष्यद एवं जननुगी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से एक नवी - परिचर्चा का आयोजन करवाया जाएगा। इस में आगे होने की इच्छुक छात्राएँ निम्नलिखित धाराप्रिकाओं से संपर्क करें।

विषय :- मारतीभ समाज में महिलाओं की स्थिति

Omkar kalyan
श्रीमती पान्ना आंद
(संभोजिका)

राजनीतिशास्त्र भारिष्यद एवं
जननुगी साक्षरता प्रकोष्ठ

Omkar;
डॉ. सुमन राजन
(संभोजिका)
महिला प्रकोष्ठ

List of Participants Date : 01-10-2015

Sr. No.

Name

Roll No.

Class

1.	Aastha		
2.	Ritu	918	B.A. II
3.	Kusum	2607	B.A. I
4.	Aekshi	120	B.A. II
5.	Nidhi	8521	B.Com. III
6.	Anju	2764	B.A. I
7.	Manpreet	263	B.A. II
8.	Bhavna		B.Sc.
9.	Anu	3642	B.A. I
10.	Diksha	179	B.A. II
11.	Luince	2541	B.A. I
12.	Vidhwasti	2725	B.A. II
13.	Ostine	2505	B.A. I
14.	Kiran	2653	B.A. I
15.	Kirti	27	B.A. II
16.	Vashnavi	31	B.A. II
17.	Ankita	224	B.A. II

*Chetan
Jain*

रिपोर्ट

Date: 01-10-15

(भारतीय समाजमें महिलाओं की स्थिति)

आज दिनांक 01-10-15 को दयानन्द महिला महाविधालय, उम्मीद में महिला प्रबोध, राजनीति शास्त्र परिषद् एवं ज्ञानुनी साहस्रता प्रबोध की ओर से भारतीय समाज में महिलाओं की समस्यामुलक स्थितियाँ, लिंग भेद की समस्या, जागरूकी महिलाओं का प्रस्तुतिभूति एवं अधिकार और जीवन्य तथा बेटा - बेटी सामाजिक स्तर पर कितने रुप समान, इन विषयों पर अच्छी - परिचर्चा आमोजित की गई। डॉ. रमेश की मध्यस्थता प्राप्तार्थी डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह जी ने की। उमारी आस्या, वसु-धरा, रीत, उसुम, आदी, निधि, अंगु, रणनीत, जागृति, विदुषी, ओशन व किरणजीत गांडी ने विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। उमारी निधि ने बाल - विवाह व परिवित जीवित प्रस्तुत की। डॉ. सुमन राजन ने लिंगभेद की समस्या पर गहन चिन्ता व्यक्त करते हुए लड़का-लड़की के प्रति समान सौन्दर्य पर बल दिया। श्रीमती पायल जानन्द ने अधिकार और जीवन्यों का सच्चवन्ध बताते हुए स्पष्ट किया कि दोनों रुप ही सिफ्के के दो पहलु हैं। आवश्यकता है कि प्रत्येक निवास से अपने जीवन्य पूरे करता कि अधिकारों का सब भावन्द ले सके।

अंत में प्राप्तार्थी जी ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की समाज में सक्रिय मुमिका के लिए उनका जागरूक जीवन सबसे अधिक आवश्यक है। समाज, ज्ञानुन सब सहायता देंगे लेकिन सबसे अधिक आवश्यक है कि

नारी आत्मविवास के साथ आगे बढ़े और समाज में
सक्रिय गुरुगीका निभाए। क्योंना हम सभी आज अह
प्रतिजा करे कि आज के पड़चात हम में से कोई भी 'सेसा'
नेहरुआव नहीं होनें देगा। ऐसी ही उमीद में आप सभी
दात्राओं से ध्यति हूं

Om
Om

Report

(Topic = Status of women in Indian society)

Today, on October 01, 2015 at Government Model

Mohorshilayoga, Kunderkhetra, on behalf of the
Women's Cell, Political Science Council and Legal
Literacy Cell, the problematic condition of women
in Indian society, the problem of gender discrimination,
the status and rights and duties of working women
and sons and daughters on a social level.

Discussion on these topics was organized. The
program was chaired by Principal Dr. Jagdish Singh
Singh Ji, Kumari Anuradha, Rasundhara, Ritu,
Sakshi, Nidhi, Ranveet, Jagriti, Ridush Singh and
Ranjit etc. Presented views on various topics.
Kumari Nidhi presented child marriage while
Poetry by Dr. Suman Rajan on gender discrimination
problem. Expressing concern, the boy emphasized equal
thinking towards the girl, Mrs. Payal Anand classifying
the relation of rights and duties, classifying that
both are two sides of the same coin. Each one
needs to fulfill her duties with integrity so as
to enjoy the rights. In the end, the Principal
classified that for the active role of women

In the society, it is most important for them to be aware and social law will help everyone but most important is that women should move forward with confidence and play an active role in the society, why don't we let us all pledge today that after today none of us will allow such discrimination to happen, in the hope that I do it with all your girls.

Jeev

प्रैस नोट

टीमान्द मीटिंग महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

उत्तरींग परिषद् अग्रज दिनांक 1.10.2015 की मीटिंग।
 एवं कानूनी साक्षरता घोषणा की ओर से 'भारतीय समा-
 जी मोहल्लामों की समस्याएँ तिंग गढ़ की समस्या' कामना
 मोहल्लामों का वस्तुरिप्रभि' एवं 'अधिकार और कानून' प-
 र्थि - परिषद् इन घोषणित की गई कामकाज की जांचमा,
 प्राचीन शो विभाग लेजेन्ड ने की। कृत यास्ता, वस्तुप्रबा-
 धि तु सुम् आकृषि, निधि, अंडे, रवनीत, जागृति, विद्युति,
 और तिंग जीत आदि ने विभाग विषयों पर
 विवाह प्रस्तुत किए। कृत निधि ने 'बाल विवाह' रनरविं
 शन विवाह प्रस्तुत की। डॉ. शुभा राजन ने तिंग गढ़ की समा-
 जीत विवाह प्रस्तुत की। डॉ. शुभा राजन ने तिंग गढ़ की समा-
 जीत विवाह लेजेन्ड लड़का-लड़की के पुति
 पर गहन चिन्ता लेकर लड़का-लड़की के पुति
 रामान सोच पर बल दिया। डॉ. जरेश जौरा ने कामना
 मोहल्लामों की दौहरा घोषित और उनके पुति समाज के
 जीव बदलने पर बल दिया। श्री मती पाण्डित आनन्द
 जीव और कल्पकों का सम्बन्ध वतारे हैं स्पष्ट।
 जीव दोनों इन दो रिकॉर्ड के दो पहलू हैं। आवश्यकता
 है, दोनों इन दो रिकॉर्ड के दो पहलू हैं। आवश्यकता
 है, दोनों निष्ठा से आपने कार्य घूरे के तारे आधिक-
 रा इन आनन्द ले सके।

इस विषय की अन्त में प्राचीन ने मोहल्लामों की

समाज में राज्यकांग ग्रन्तिका के लिए उनका जागरूक होने
 सतरों जारी आवश्यक है। समाज, कानून इन सहभागित-
 ानों लोगों राज्यकांग आवश्यक है कि नरी भाले,
 निवारि राज्यकांग आगे ले और समाज में राज्यका-
 निवारि।

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रेस-नोट

आज दिनांक 01.10.15 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में महिला प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र परिषद् एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से भारतीय समाज में महिलाओं की समस्यामूलक स्थितियाँ, लिंग भेद की समस्या, कुमाकाजी महिलाओं का वस्तुस्थिति एवं अधिकार और कर्तव्य तथा बेटा-बेटी सामाजिक स्तर पर कितने एक समान, इन विषयों पर चर्चा-परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह जी ने की। कुमारी आस्था, वसुन्धरा, रीतु, कुसुम, आक्षी, निधि, अंजु, रवनीत, जागृति, विदूषी, ओशीन व किरणजीत आदि ने विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। कुमारी निधि ने बाल-विवाह स्वरचित कविता प्रस्तुत की। डॉ. सुमन राजन ने लिंग भेद की समस्या पर गहन चिन्ता व्यक्त करते हुए लड़का-लड़की के प्रति समाज सोच पर बल दिया। डॉ. नरेश जोशी ने कामकाजी महिलाओं का दोहरा दायित्व और उनके प्रति समाज की सोच बदलने पर बल दिया। श्रीमती पायल आनन्द ने अधिकार और कर्तव्यों का सम्बन्ध बताते हुए स्पष्ट किया कि दोनों एक ही सिफे के दो पहलू हैं। आवश्यकता है कि प्रत्येक निष्ठा से अपने कर्तव्य पूरे करें ताकि अधिकारों का सब आनन्द ले सके।

अंत में प्राचार्या जी ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की समाज में सक्रिय भूमिका के लिए उनका जागरूक होना सबसे अधिक आवश्यक है। समाज, कानून सब सहायता करेंगे लेकिन सबसे अधिक आवश्यक है कि नारी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े और समाज में सक्रिय भूमिका निभाए। क्यों ना हम सभी आज यह प्रतिज्ञा करें कि आज के पश्चात् हम में से कोई भी ऐसा भेदभाव नहीं होनें देगा। ऐसी ही उम्मीद मैं आप सभी छात्राओं से करती हूं। इस अवसर पर महाविद्यालय की अनेक प्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

फोटो नम्बर : 01 परिचर्चा में भाग लेती महाविद्यालय की छात्राएँ।

17 मंच पर उपस्थित महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह एवं संयोजिकाएं।

09 परिचर्चा के सम्बन्ध में प्रश्न पूछती हुई छात्रा।



दीपल कौतेज ने आयोजित योग कार्यक्रम में योग करती छात्राएं।

अमर उजाला

योग में कुमारी मनप्रीत प्रथम

दयानंद महिला महाविद्यालय में परिचर्चा और प्रतियोगिता का आयोजन

अमर उजाला व्यूरा

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र परिषद् एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से भारतीय समाज में महिलाओं की समस्याग्रन्थक विचारिणी, तिंग भेद की समस्या का व्यवस्थापन एवं अधिकार और कर्तव्य तथा बेटा-बेटी समाजिक स्तर पर कितने एक समान विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम को अध्यक्षता प्राचार्य

डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह ने की। कुमारी सूर्य नमस्कार, परिचोदानासन, आस्था, वसुभार, रीत, कुमुम, आणी, निधि, अनु, खनीत, जागृति, विद्यो, ओशीन व किरणजीत आदि ने विचार प्रस्तुत किए।

कुमारी निधि ने बाल-विवाह स्वरचित कविता प्रस्तुत की। डॉ. सुधन राजन ने लिंग भेद की समस्या पर गहन चिंता अवल बताते हुए लड़का-लड़की के प्रति समान सोच पर बल दिया।

वहाँ अंतरक्षेत्र योग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में

निरायक मडल की भूमिका कुमारी गोता (योगा प्रशिक्षक) व डॉ. अनु चौहान ने निभाई। प्रतियोगिता में कुमारी मनप्रीत (बीएससी) प्रथम, कुमारी भावना (बीकॉम) द्वितीय, कुमारी दीक्षा (बीकॉम) तृतीय स्थान पर रही जबकि कुमारी पिंस व कुमारी दीक्षा को सांख्यना पुस्कार मिला।

India's
best



योग में मनप्रीत प्रथम

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र परिषद् एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से भारतीय समाज में महिलाओं की समस्याग्रन्थक विचारिणी, तिंग भेद की समस्या, कामकाजी महिलाओं का वस्तुरिच्छति एवं अधिकार और कर्तव्य तथा बेटा-बेटी समाजिक स्तर पर कितने एक समान विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम को अध्यक्षता प्राचार्य